Phone No.: 07542-251641 Email : hegpgcgun@mp.gov.in
Website : https://highereducation.mp.gov.in/?orgid=179

Women Empowerment & Gender Sensitization

Women empowerment means empowering women with full social rights, economic stability, political rights, judicial strength, and other rights. Women should get proper rights in society like a man without any gender discrimination between men and women. Women should know as well as get the proper fundamental rights once they are born and to accomplish this Govt. PG College, Guna is making continuous efforts by organising various seminars and workshops related to women Empowerment and Gender Sensitization. A recent national seminar has been organized by us on 17 august 2022 and 18 august 2022 in which empowered female speakers shared their perspectives and motivated the young girls to stand for their rights. Eminent women authors and activists from our country like Dr. Sujata, Professor of Delhi University and Anushakti Singh, journalist and activist were invited in the seminar.

Role of Govt. PG College, Guna in promoting women education

- We focus on the awareness factor by organising seminars related to rights of women.
- Along with academics we also promote the co-curricular activities.
- We make sure that our female students feel safe and secure in the College environment.
- Due to the safe environment of our college, there are no female ragging cases.
- We provide employment opportunities to our female students to make them financially independent.
- We also focus on physical education and therefore there are many female students at PG College, Guna participates in various sports activities including NCC.
- We have also organized health camp to make the girls aware about their health.
- Biometric machines are lower down for the handicapped students.

Niranjan Shrotriya
Guna (M.P.
19.12.2023 17:09
IQAC Coordinator

Signature Not Verified
Brij Kishore Tiwari
Guna (M.P.
19.12.2023 17:11
Principal

Brochure

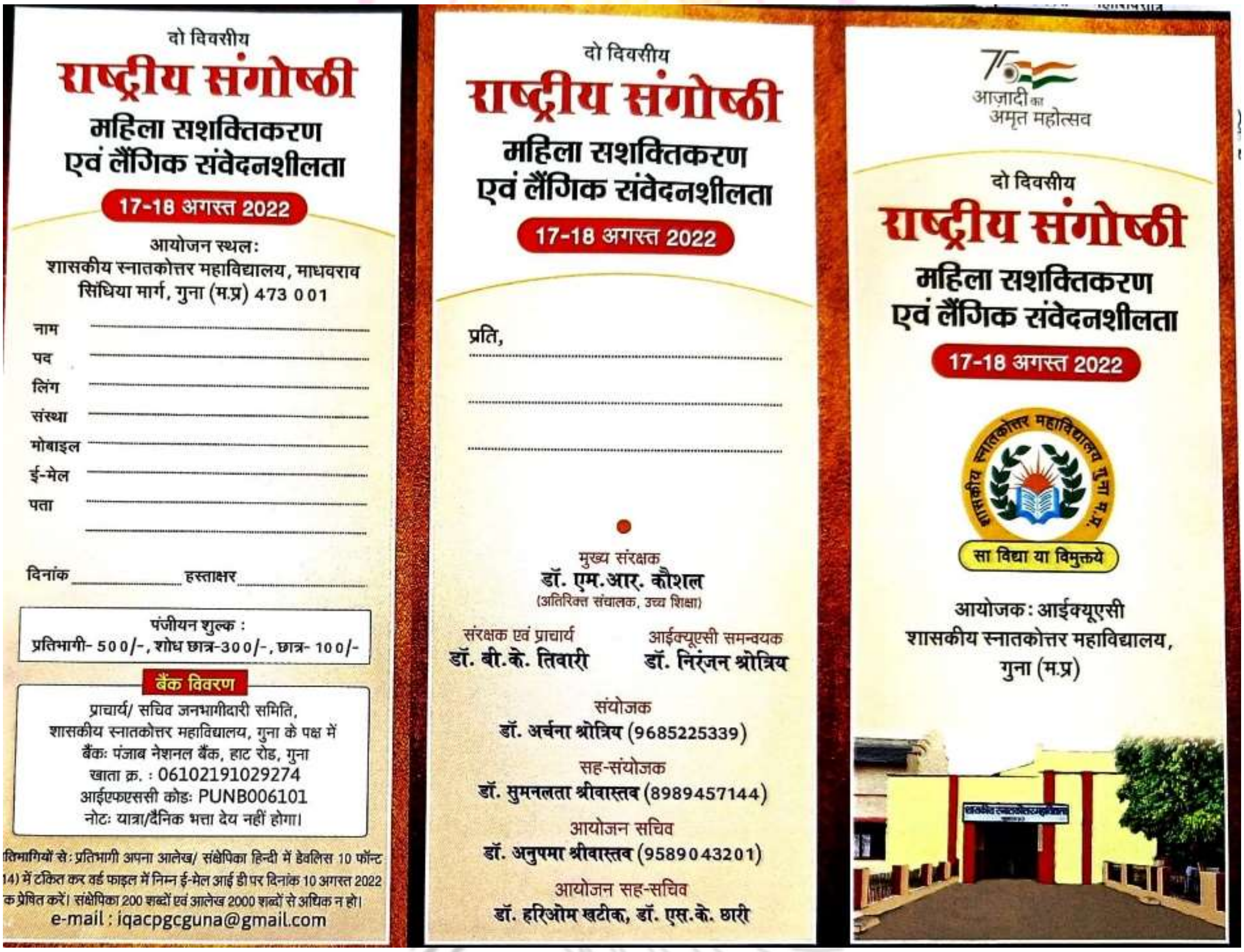
दो दिवसीय

राष्ट्रीय संगोष्ठी

महिला सशक्तिकरण एवं लैंगिक संवेदनशीलता

17-18 अगस्त 2022

आयोजन स्थलः

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, माधवराव सिंधिया मार्ग, गुना (म.प्र) 473 001

नाम ....

पद ....

लिंग ....

संस्था ....

मोबाइल ....

ई-मेल ....

पता ....

दिनांक .... हस्ताक्षर ....

पंजीयन शुल्क :

प्रतिभागी- 500/-, शोध छात्र-300/-, छात्र- 100/-

बैंक विवरण

प्राचार्य/ सचिव जनभागीदारी समिति,
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुना के पक्ष में
बैंकः पंजाब नेशनल बैंक, हाट रोड, गुना
खाता क्र. : 06102191029274
आईएफएससी कोडः PUNB006101
नोटः यात्रा/दैनिक भत्ता देय नहीं होगा।

प्रतिभागियों सेः प्रतिभागी अपना आलेख/ संक्षेपिका हिन्दी में डेवलिस 10 फॉन्ट (14) में टंकित कर वर्ड फाइल में निम्न ई-मेल आई डी पर दिनांक 10 अगस्त 2022 तक प्रेषित करें। संक्षेपिका 200 शब्दों एवं आलेख 2000 शब्दों से अधिक न हो।
e-mail : iqacpgcguna@gmail.com

दो दिवसीय

राष्ट्रीय संगोष्ठी

महिला सशक्तिकरण एवं लैंगिक संवेदनशीलता

17-18 अगस्त 2022

प्रति,
....

मुख्य संरक्षक
डॉ. एम.आर. कौशल
(अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा)

संरक्षक एवं प्राचार्य
डॉ. बी.के. तिवारी

आईक्यूएसी समन्वयक
डॉ. निरंजन श्रोत्रिय

संयोजक
डॉ. अर्चना श्रोत्रिय (9685225339)

सह-संयोजक
डॉ. सुमनलता श्रीवास्तव (8989457144)

आयोजन सचिव
डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव (9589043201)

आयोजन सह-सचिव
डॉ. हरिओम खटीक, डॉ. एस.के. छारी

आज़ादी का अमृत महोत्सव

दो दिवसीय

राष्ट्रीय संगोष्ठी

महिला सशक्तिकरण एवं लैंगिक संवेदनशीलता

17-18 अगस्त 2022

सा विद्या या विमुक्तये

आयोजकः आईक्यूएसी
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुना (म.प्र)

Signature Not Verified

Niranjan Shrotriya	Brij Kishore Tiwari
Guna (M.P.	Guna (M.P.
19.12.2023 17:09	19.12.2023 17:11
IQAC Coordinator	Principal

GOVT. POSTGRADUATE COLLEGE, GUNA

Affiliated to Jiwaji University, Gwalior (M.P.)

Phone No.: 07542-251641 Email : hegpgcgun@mp.gov.in

Website : https://highereducation.mp.gov.in/?orgid=179

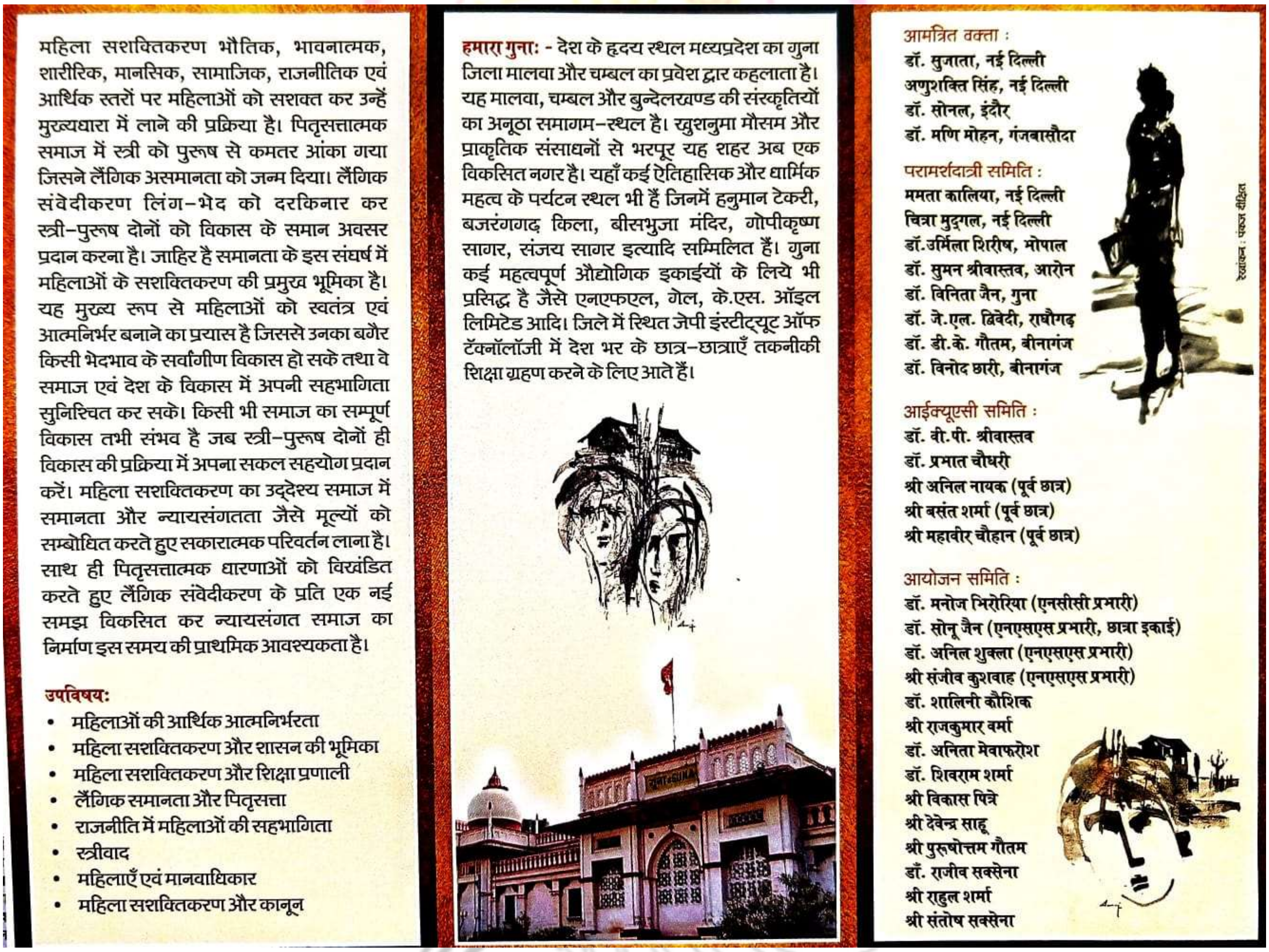

महिला सशक्तिकरण भौतिक, भावनात्मक, शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक स्तरों पर महिलाओं को सशक्त कर उन्हें मुख्यधारा में लाने की प्रक्रिया है। पितृसत्तात्मक समाज में स्त्री को पुरूष से कमतर आंका गया जिसने लैंगिक असमानता को जन्म दिया। लैंगिक संवेदीकरण लिंग-भेद को दरकिनार कर स्त्री-पुरूष दोनों को विकास के समान अवसर प्रदान करना है। जाहिर है समानता के इस संघर्ष में महिलाओं के सशक्तिकरण की प्रमुख भूमिका है। यह मुख्य रूप से महिलाओं को स्वतंत्र एवं आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास है जिससे उनका बगैर किसी भेदभाव के सर्वांगीण विकास हो सके तथा वे समाज एवं देश के विकास में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सके। किसी भी समाज का सम्पूर्ण विकास तभी संभव है जब स्त्री-पुरूष दोनों ही विकास की प्रक्रिया में अपना सकल सहयोग प्रदान करें। महिला सशक्तिकरण का उद्देश्य समाज में समानता और न्यायसंगतता जैसे मूल्यों को सम्बोधित करते हुए सकारात्मक परिवर्तन लाना है। साथ ही पितृसत्तात्मक धारणाओं को विखंडित करते हुए लैंगिक संवेदीकरण के प्रति एक नई समझ विकसित कर न्यायसंगत समाज का निर्माण इस समय की प्राथमिक आवश्यकता है।

उपविषय:

- महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता
- महिला सशक्तिकरण और शासन की भूमिका
- महिला सशक्तिकरण और शिक्षा प्रणाली
- लैंगिक समानता और पितृसत्ता
- राजनीति में महिलाओं की सहभागिता
- स्त्रीवाद
- महिलाएँ एवं मानवाधिकार
- महिला सशक्तिकरण और कानून

हमारा गुना: - देश के हृदय स्थल मध्यप्रदेश का गुना जिला मालवा और चम्बल का प्रवेश द्वार कहलाता है। यह मालवा, चम्बल और बुन्देलखण्ड की संस्कृतियों का अनूठा समागम-स्थल है। खुशनुमा मौसम और प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर यह शहर अब एक विकसित नगर है। यहाँ कई ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के पर्यटन स्थल भी हैं जिनमें हनुमान टेकरी, बजरंगगढ़ किला, बीसभुजा मंदिर, गोपीकृष्ण सागर, संजय सागर इत्यादि सम्मिलित हैं। गुना कई महत्वपूर्ण औद्योगिक इकाईयों के लिये भी प्रसिद्ध है जैसे एनएफएल, गेल, के.एस. ऑइल लिमिटेड आदि। जिले में स्थित जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ टॅक्नॉलॉजी में देश भर के छात्र-छात्राएँ तकनीकी शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते हैं।

आमंत्रित वक्ता :

डॉ. सुजाता, नई दिल्ली
अणुशक्ति सिंह, नई दिल्ली
डॉ. सोनल, इंदौर
डॉ. मणि मोहन, गंजबासौदा

परामर्शदात्री समिति :

ममता कालिया, नई दिल्ली
चित्रा मुद्गल, नई दिल्ली
डॉ.उर्मिला शिरीष, भोपाल
डॉ. सुमन श्रीवास्तव, आरोन
डॉ. विनिता जैन, गुना
डॉ. जे.एल. द्विवेदी, राघौगढ़
डॉ. डी.के. गौतम, बीनागंज
डॉ. विनोद छारी, बीनागंज

आईक्यूएसी समिति :

डॉ. वी.पी. श्रीवास्तव
डॉ. प्रभात चौधरी
श्री अनिल नायक (पूर्व छात्र)
श्री बसंत शर्मा (पूर्व छात्र)
श्री महावीर चौहान (पूर्व छात्र)

आयोजन समिति :

डॉ. मनोज भिरोरिया (एनसीसी प्रभारी)
डॉ. सोनू जैन (एनएसएस प्रभारी, छात्रा इकाई)
डॉ. अनिल शुक्ला (एनएसएस प्रभारी)
श्री संजीव कुशवाह (एनएसएस प्रभारी)
डॉ. शालिनी कौशिक
श्री राजकुमार वर्मा
डॉ. अनिता मेवाफरोश
डॉ. शिवराम शर्मा
श्री विकास पित्रे
श्री देवेन्द्र साहू
श्री पुरूषोत्तम गौतम
डॉ. राजीव सक्सेना
श्री राहुल शर्मा
श्री संतोष सक्सेना

Niranjan Shrotriya
Guna (M.P.
19.12.2023 17:09
IQAC Coordinator

Signature Not Verified
Brij Kishore Tiwari
Guna (M.P.
19.12.2023 17:11
Principal

GOVT. POSTGRADUATE COLLEGE, GUNA

Affiliated to Jiwaji University, Gwalior (M.P.)

Phone No.: 07542-251641 Email : hegpgcgun@mp.gov.in

Website : https://highereducation.mp.gov.in/?orgid=179

Seminar Photos

Niranjan Shrotriya
Guna (M.P.
19.12.2023 17:09
IQAC Coordinator

Signature Not Verified
Brij Kishore Tiwari
Guna (M.P.
19.12.2023 17:11
Principal

Signature Not Verified

Niranjan Shrotriya
Guna (M.P.
19.12.2023 17:09
IQAC Coordinator

Brij Kishore Tiwari
Guna (M.P.
19.12.2023 17:11
Principal

Signature Not Verified

Niranjan Shrotriya
Guna (M.P.
19.12.2023 17:09
IQAC Coordinator

Brij Kishore Tiwari
Guna (M.P.
19.12.2023 17:11
Principal

GOVT. POSTGRADUATE COLLEGE, GUNA

Affiliated to Jiwaji University, Gwalior (M.P.)

Phone No.: 07542-251641 Email : hegpgcgun@mp.gov.in

Website : https://highereducation.mp.gov.in/?orgid=179

Seminar News

गुना ▸ अशोकनगर

संगोष्ठी • महिला सशक्तिकरण एवं लैंगिक संवेदनशीलता पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

महिलाओं में पुरुषों से अधिक ऊर्जा, समाज के सहयोग से पा सकती हैं ऊंचाई : डॉ. सोनल शर्मा

भास्कर संवाददाता | गुना

पीजी कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का गरिमा मय समापन हुआ। इस संगोष्ठी में देश भर से स्त्री विमर्श के विद्वानों ने हिस्सा लिया। दूसरे दिन प्राचार्य डॉ. बीके तिवारी ने मुख्य वक्ता डॉ. सोनल शर्मा, इंदौर और डॉ. मणि मोहन, गंज बासौदा का स्वागत किया। श्री तिवारी ने कहा कि यह दो दिवसीय आयोजन अभूतपूर्व रहा। जिसमें समाज के स्त्री पक्ष के विभिन्न कोणों पर सार्थक चर्चा हुई। विद्वानों के व्याख्यानों से इस विषय पर एक नई समझ विकसित हुई है।

इस अवसर पर आमंत्रित वक्ताओं की प्रकाशित पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। देश के ख्यात चित्रकार पंकज दीक्षित के स्त्री विषयक पोस्टर को प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज की एनसीसी कैडेट राधा लोधा का भी सम्मान किया गया। जिन्होंने 15 अगस्त को नई दिल्ली में प्रधान मंत्री से भेंट की। कार्यक्रम में आइक्यूएसी समन्वयक डॉ. निरंजन श्रोत्रिय ने \'औरत उत्तर कथा\' शब्द चित्रों का पाठ किया। संचालन आयोजन सचिव डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव ने किया और संयोजक डॉ. अर्चना श्रोत्रिय ने आभार माना।

तकनीकी सत्रों में डॉ. उषा जैन, डॉ. सुमनलता श्रीवास्तव, रितु उमहिया की उपस्थिति में डॉ ज्योति सोनी, डॉ. योग्यता भार्गव, डॉ. प्रीति यादव, डॉ. प्रभा भिरोरिया, शाकिर खान, शैलेन्द्र शर्मा, डॉ. सोनू जैन, विकास पित्रे, नारायण उपरेलिया, डॉ. प्रवीण चौधरी, डॉ. शकुंतला प्रजापति, डॉ. सरला श्रीवास्तव, कैडेट प्रिन्सी पराशर, दामिनी बालके, तृप्ति सिंह दिवाकर एवम ज्योति कडेरे ने शोधपत्र वाचन किया। तकनीकी सत्रों का संचालन डॉ. मनोज भिरोरिया ने किया।

स्त्री जन्म लेती है, हमारी सामाजिक स्थितियां उसे स्त्री बनाती हैं: डॉ. मणि मोहन ने \'स्त्री सशक्तिकरण एवं पितृसत्ता\' विषय पर अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे घर-परिवार में पितृ सत्ता इतने बारीक और ओझल रूप में उपस्थित है कि वह हमें स्थितियों के अनुकूल की ओर ले जाती है। फ्रेंच दार्शनिक सीमोन द बोउवार का संदर्भ देते हुए उन्होंने बताया कि स्त्री केवल जन्म लेती है, बाद में हमारी सामाजिक स्थितियां उसे स्त्री बनाती हैं। लैंगिक संवेदीकरण की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने शिक्षण संस्थाओं की भूमिका की चर्चा की। विद्यालय एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के बीच इस विषय पर कार्यशाला, वाद-विवाद तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से समाज की जड़ता और उससे उबरने के उपायों की जानकारी देकर शिक्षित करना अनिवार्य है। लैंगिक संवेदनशीलता दरअसल एक प्रक्रिया है जो सतत चलना चाहिए। राजनीति और पितृसत्ता का एक गठजोड़ है। राजनीति में सक्रिय महिलाओं को अपने वास्तविक अधिकारों एवं भूमिका के बारे में जागरूक होना अत्यावश्यक है।

गुना। आमंत्रित वक्ता डॉ. सोनल और डॉ. मणि मोहन ने गुना की डी कंपनी की छात्रा का सम्मान करते हुए।

लड़कों को शिक्षित कर संवेदनशील बनाए

इंदौर से आई समाज विज्ञानी डॉ. सोनल शर्मा ने \'स्त्री: रचनात्मक परिवर्तन की सूत्रधार\' विषय पर अपने वक्तव्य में कहा कि स्त्रियों में रचनात्मकता का गुण जन्मजात होता है। अपने 24 वर्षों के समाज सेवा के अनुभवों को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि जब वे वाटरशेड योजना को लेकर दूरदराज के गांवों में गई तो वहाँ पुरुषों के प्रतिरोध के बावजूद महिलाओं ने जल संरक्षण अभियान में प्रमुख भूमिका निभाई। हमारा समाज लगातार जागरूक एवं शिक्षित तो हो रहा है लेकिन अभी भी जमीनी तौर पर बहुत काम करने की जरूरत है। डॉ. सोनल ने स्पष्ट किया कि महिलाओं में पुरुषों से तीन गुना अधिक ऊर्जा होती है, ऐसी स्थिति में यदि उन्हें पुरुष समाज का सहयोग मिले तो वे तीन गुना ऊंचाई हासिल कर सकती हैं। महिलाओं पर हो रहे अपराध और अत्याचार के बारे में उन्होंने कहा कि हमें अपने परिवार के लड़कों को शिक्षित कर संवेदनशील बनाना चाहिए। ज्ञात हो कि डॉ. सोनल 'विभावरी' नामक गैर सरकारी संगठन से जुड़ी हैं जो पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, महिला शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जमीनी कार्य करता है।

Signature Not Verified

Niranjan Shrotriya
Guna (M.P.
19.12.2023 17:09
IQAC Coordinator

Brij Kishore Tiwari
Guna (M.P.
19.12.2023 17:11
Principal

Affiliated to Jiwaji University, Gwalior (M.P.)

Phone No.: 07542-251641 Email : hegpgcgun@mp.gov.in

Website : https://highereducation.mp.gov.in/?orgid=179

गुना ▸ अशोक नगर

संगोष्ठी • 'महिला सशक्तिकरण एवं लैंगिक संवेदनशीलता' पर पीजी कॉलेज में हुई दो दिवसीय संगोष्ठी

महिला- पुरुष को समान अवसर नहीं मिलेंगे तो समाज में विषमता कायम रहेगी : अणुशक्ति

भास्कर संवाददाता | गुना

आज शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुना में \'महिला सशक्तिकरण एवं लैंगिक संवेदनशीलता\' विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी आरंभ हुई। आमंत्रित वक्ता अणुशक्ति सिंह, नई दिल्ली में कम्युनिकेशन एवं ब्रॉडकास्ट विशेषज्ञ और दूसरी वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय की प्राध्यापक डॉ. सुजाता ने अपने प्रभावी उद्बोधन से श्रोताओं को महिला और पुरुष के बीच समाज के द्वारा बनाई गई खाई के कारणों को बताया। इसके साथ ही उन्होंने अपने संबोधन के माध्यम से यहां संदेश दिया की अगर नारी चाहे तो समाज के बनाए इस पुरुष प्रधान मकड़ जाल को उसी तरह साफ कर सकती है, जैसे हवा के एक झोंके से पेड़ पर डाल पर लगी सूखी पत्तियां झड़ जाती हैं। इसके लिए महिलाओं को अपने आप में जागरूक करने की आवश्यकता है।

संगोष्ठी के प्रारंभ में प्राचार्य डॉ. बीके तिवारी ने अतिथियों के लिए स्वागत वक्तव्य देते हुए कहा कि यह राष्ट्रीय संगोष्ठी महाविद्यालय की उपलब्धि है और इससे सोच को नई दिशा मिलेगी। मुख्य अतिथि डॉ. सुमन श्रीवास्तव ने कहा कि दुनिया के अन्य देशों की तुलना में भारतीय स्त्रियों की स्थिति कई मानदंडों में ठीक नहीं है। बराबरी के लिए समाज के हर वर्ग की भागीदारी आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. निरंजन श्रोत्रिय ने किया। आभार डॉ. सुमनलता श्रीवास्तव ने माना। इस आयोजन में प्राध्यापकों सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मुख्य वक्ता अणुशक्ति सिंह।

गुना। पीजी कॉलेज में आयोजित संगोष्ठी में मौजूद अन्य अतिथि। व श्रोता।

स्त्री-पुरुष एक दूसरे के विरोधी नहीं पूरक हैं

नई दिल्ली में कम्युनिकेशन एवं ब्रॉडकास्ट विशेषज्ञ अणुशक्ति सिंह के वक्तव्य का अंदाज अनूठा था। उन्होंने पारंपरिक शैली में वक्तव्य न देकर इसे परस्पर वार्तालाप और संवाद की शैली प्रदान की। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि हैं हमारा समाज मूलतः पितृ सत्तात्मक है और वह कई तरह से स्त्रियों को नियंत्रित करता है। हमारे समाज में स्त्री-पुरुष के चरित्र, उनकी भूमिका और सामाजिक स्थिति को लेकर दोहरे मानदंड हैं। जब तक इन दोनों को विकास के समान अवसर नहीं मिलेंगे तब तक समाज में विषमता कायम रहेगी। उनके अनुसार भारतीय समाज में स्त्री को लेकर कई अवधारणात्मक अंतर बाधा है। हम स्त्री विषयक जरूरी आयामों पर भी चर्चा करने से बचते हैं। फलस्वरूप हमारी स्त्रियां कुपोषण, उपेक्षा एवं शारीरिक शोषण का शिकार होती रही हैं। हमें इन निषेधों से बचने की जरूरत है। स्त्री-पुरुष एक दूसरे के विरोधी नहीं बल्कि पूरक हैं।

स्त्री की स्वतंत्रता एक गंभीर और ज्वलंत मुद्दा

दिल्ली विश्वविद्यालय की प्राध्यापक एवं प्रसिद्ध लेखिका डॉ. सुजाता कहा कि स्त्री का सशक्तिकरण एक दीर्घकालिक प्रक्रिया है। हमें सशक्तिकरण का वास्तविक अभिप्राय एवं उसकी अनिवार्यता ज्ञात होना चाहिए। हमारी परंपरा और इतिहास इस बात का गवाह है कि स्त्रियों पर जुल्म इस तरह ढाए गए हैं कि उन्हें पता भी नहीं चला और इसे उन्होंने अपनी नियति मान लिया। जब तक हर एक स्त्री स्वतंत्र नहीं हो जाती, सशक्त नहीं हो जाती, सशक्तिकरण की बात बेमानी है। उन्होंने ने इस बात पर जोर दिया कि हम अक्सर स्त्री विमर्श के दौरान गैरजरूरी मुद्दों में उलझ जाते हैं जबकि स्त्री की स्वतंत्रता एक गंभीर और ज्वलंत मुद्दा है। हमारे समाज में स्त्री के प्रति दकियानूसी और संकुचित दृष्टिकोण ने आधी आबादी के अस्तित्व को हानि पहुंचाई है। स्त्री विमर्श और उसके सशक्तिकरण को कई कोणों से देखने की आवश्यकता है। उसे सशक्त बनाने का कार्य एक चरणबद्ध प्रक्रिया है। समाज में छाए पुरुष वादी सोच से हट कर स्त्री अस्मिता के असली सवालों की पड़ताल बेहद जरूरी है।

Signature Not Verified

Niranjan Shrotriya
Guna (M.P.
19.12.2023 17:09
IQAC Coordinator

Brij Kishore Tiwari
Guna (M.P.
19.12.2023 17:11
Principal

GOVT. POSTGRADUATE COLLEGE, GUNA

Affiliated to Jiwaji University, Gwalior (M.P.)

Phone No.: 07542-251641 Email : hegpgcgun@mp.gov.in

Website : https://highereducation.mp.gov.in/?orgid=179

Seminar Certificate

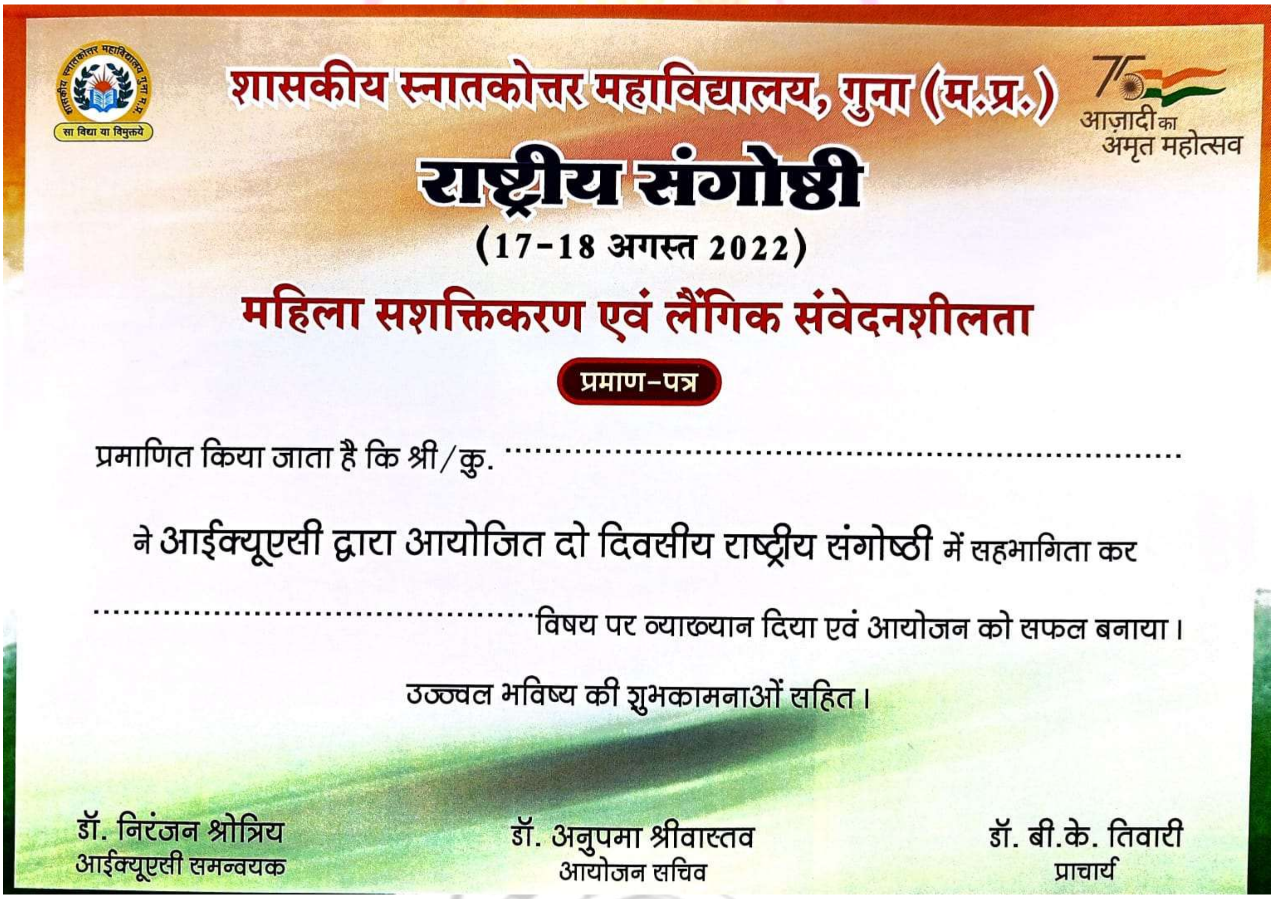
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुना (म.प्र.)

सा विद्या या विमुक्तये

आज़ादी का अमृत महोत्सव

राष्ट्रीय संगोष्ठी

(17-18 अगस्त 2022)

महिला सशक्तिकरण एवं लैंगिक संवेदनशीलता

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/कु. ....

ने आईक्यूएसी द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता कर

.... विषय पर व्याख्यान दिया एवं आयोजन को सफल बनाया।

उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं सहित।

डॉ. निरंजन श्रोत्रिय आईक्यूएसी समन्वयक	डॉ. अनुपमा श्रीवास्तव आयोजन सचिव	डॉ. बी.के. तिवारी प्राचार्य

Niranjan Shrotriya Guna (M.P. 19.12.2023 17:09 IQAC Coordinator	Signature Not Verified Brij Kishore Tiwari Guna (M.P. 19.12.2023 17:11 Principal